C411

Total Pages : 4 Roll No. .....

MASL-602

गद्य एवं पद्य काव्य भाग-01

MA Sanskrit (MASL-20/21)

Third Semester Examination, 2022 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. निम्नलिखित श्लोकों एवं गद्यांशों में से किन्हीं दो की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) ब्रह्माण्डच्छत्रदण्डः शतधृतिभुवनाम्भोरुहो नालदण्डः,
क्षोणीनौकूपदण्डः क्षरदमरसरित्पट्टिकाकेतुदण्डः।
ज्योतिश्चक्राक्षदण्डस्त्रिभुवनविजयस्तम्भदण्डोऽङ्घ्रिदण्डः,
श्रेयस्त्रैविक्रमस्ते वितरतु विबुधद्वेषिणां कालदण्डः।।

(ख) 'सुभग!' कुसुमसुकुमारं जगदनवद्यं विलोक्य ते रूपम्।
मम मानसमभिलषति, त्वं चित कुरु तथा मृदुलम्।।

अथवा

विजितामरपूरे पुष्पपुरे निवसता साऽनन्तभोगलालिता वसुमती वसुमतीव मगधराजेन यथासुखमन्वभावि।

2. दशकुमारचरितम् की विषयवस्तु पर एक सारगर्भित लेख लिखिए।

3. निम्नलिखित गद्यांश में से किसी एक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) ततः कदाचिन्नानाविधमहदायुधनैपुण्यरचितागण्यजन्यराजन्यमौलि-पालिनिहितनिशितसायको मगधनायको मालवेश्वरं प्रत्यग्रसङ्ग्रा-मघस्मर समुत्कटमानसारं मानसारं प्रति सहेलं न्यक्कृतजलधि-निर्घोषहङ्का रेण भेरीझङ्कारेण हठिकाकर्णनाक्रान्तभयचण्डिमानं दिग्दन्तावलवलयं विघूर्णयन्निजभरनमन्मेदिनी- भरेणायस्तभुजग-राजमस्तकबलेन चतुरङ्गबलेन संयुत सङ्ग्रामाभिलाषेण रोषेण महताविष्टो निर्ययौ।

(ख) एकदा हितैः सुहृन्मन्त्रिपुरोहितैः सभायां सिंहासनासीनो गुणैरहीनो ललाटतटन्यस्तांजलिना द्वारपालेन व्यज्ञापि- देव! देवसन्दर्शन-लालसमानसः कोऽकपि देवेन विरच्यार्चनार्हो यतिर्द्वारदेशमध्यास्ते- इति।

4. कविवर दण्डी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए दशकुमारचरितम् की भाषा शैली का निरूपण कीजिए।

5. आधुनिक संस्कृत गद्यकाव्यकारों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

बाणभट्ट के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. संस्कृत गद्य-साहित्य में 'दशकुमारचरितम्' की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

2. 'दशकुमारचरितम्' में वर्णित राजा राजहंस एवं वसुमती का परिचय दीजिए।

3. सुबन्धु की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

4. वासवदत्ता की कथा के कथानक पर प्रकाश डालिए।

5. 'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्' इस कथन की विवेचना कीजिए।

6. महाकवि दण्डी का काल निर्धारण कीजिए।

7. 'दण्डिनः पदलालित्यम्' को सिद्ध कीजिए।

8. पंचम उच्छवास का कथासार लिखिए।

अथवा

राजवाहन के यात्रा वृतान्त का वर्णन कीजिए।